तकनीकी से सरकार ने कई बदलाव किए: सीएम

आईआईटी बीचयू के इंटरनेशनल एल्यूमनी मीट के शुभारंभ कही

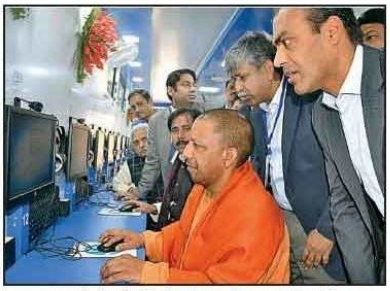

मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड ऑन व्हील मोबाइल लैब का अवलोकन किया

आईआईटी के प्रोफेसरों से बातचीत करते सीएम

पूर्व छात्र सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत मॉडल

उद्बोधन

केंद्र और प्रदेश की सरकार के सफलताओं को गिनाया

आगे की चुनौतियों के लिए आईआईटी को तैयार रहने की सलाह दी

वाराणसी। विज्ञान के प्रयोग से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाए जाने के साथ ही मानव जीवन के पथ को सुगम बनाया जा सकता हैं। विज्ञान और तकनीकी मानव जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है। स्वच्छ भारत मिशन योजना अंतर्गत गत साढ़े 4 वर्षों में 9.5 करोड़ परिवारों में शौचालय बनाए गए।

उन्होंने ऊर्जा संरक्षण चलते उत्तर प्रदेश में 16 लाख स्ट्रीट लाइटा कें हैलोजन बल्ब से ऊर्जा का भारी खपत एलइडी बल्ब से बचाया। अब तक 8 लाख स्ट्रीट लाइट बदले जा चुके हैं। जिससे 250 करोड़ रुपए सालाना का राजस्व बचत हुआ है।

यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को स्वतंत्रता भवन में आयोजित शताब्दी समारोह में कही। आईआईटी बीएचयू के शताब्दी समारोह के दौरान आयोजित ग्लोबल अल्यूमनी मीट के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

इंसेफलाइटिस के रोकथाम पर प्रयास साझा किया

उन्होंने बताया कि पिछले 40 वर्षों में गोरखपुर रीजन में अगस्त के एक महीने में एक बीमारी से प्रतिवर्ष 700-800 बच्चों की मौत इंफीतिलाइटिस से होती थी। जब मैं सांसद बना तो 1998 से मैंने यहा विजिट किया। इसके पहले किसी ने यहा विजिट नही किया। इसके लिए मैंने लगातार सड़क से संसद तक आंदोलन किया। लेकिन किसी ने नही सुना। हमारी सरकार बनने के बाद मैंने इस बीमारी की तह और निवारण की तैयारी की, तब पता चला कि प्रभवित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल और स्वच्छता की कमी रही। इसके निवारण के लिए लगातार अभियान चला और इसका नतीजा रहा कि 2017 से अभियान शुरू होने के बाद 1 वर्ष में ही रिजल्ट सामने था। 1978 से मौतों का सिलसिला जारी था लेकिन सरकार के प्रयास से 1 साल में ही 2018 में गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में केवल 86 मरीज भर्ती हुए और सिर्फ 6 मौतें हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा साढ़े 4 साल की सरकार में 9 करोड़ परिवारों को शौचालय बनाने का कार्य आज गांव में साफाई देखने को मिलती है।

पूर्व पीएम की पीड़ा दोहराई

इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री कहते थे हम 100 रुपया भेजते हैं, तो 10 रुपया ही नीचे तक जाता है। आज पूरा 100 रुपये जाते है। हमने प्रदेश में 16 लाख स्ट्रीट लाइट को एलईडी में बदलने की तैयारी की 8 लाख लाइट एलईडी लगाने 2.5 सौ करोड़ की बिल की राजस्व के रूप में बचत हुई। उन्होंने बताया कि पहले सरकारी राशन गरीबो को नही मिलता था। उत्तर प्रदेश में 80 हजार सार्वजनिक सस्ते गल्ले की दुकान है। जिसमें से 13 हजार शहरी क्षेत्रों में है। हमारी सरकार बनने के बाद पात्र प्रत्येक व्यक्ति को सस्ते दर पर कोटे की दुकान से खाद्यान्न उपलब्ध कराए जाने की वचनबद्धता को अमली जामा पहनाते हुए शहरी क्षेत्र के सभी 13 हजार कोटे की दुकानों पर इपॉश मशीन लगवाई। जिससे 110 करोड़ के राजस्व का बचत हुआ तथा पात्र व्यक्ति को राशन उपलब्ध कराया जा सका। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 80 हजार कोटे की की दुकानों पर इंपास मशीन लगने के बाद लगने के बाद प्रतिवर्ष 500 से 700 करोड़ के राजस्व की बचत होगी। उन्होंने बताया कि सस्ते गल्ले की दुकानों से कार्ड धारकों को खाद्यान्न न मिलने की शिकायत की जब उनकी सरकार ने जांच कराई, 80 हजार फर्जी राशन कार्ड पकड़े गए। जो कोटेदारों के पास जमा रहे।

टेक्नोलाजी से गोरक्षा संभव बोले सीएम

टेक्नोलॉजी के बल पर हम ये सब कर सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब प्रदेश में हमारी सरकार बनी तब जहां जाओ वहां बूचड़खाने चल रहे थे। इनको प्रतिबंधित करवाया। तो लोगो ने गोवंश सड़क खेत मे छोड़ दिये। अब हमने इनको पालने के लिए काम शुरू किया है। गाँव में इन गोवंश को रखकर इनके गोबर और गोमूत्र से ईंधन का निर्माण करें, इसके लिए टेक्नोलॉजी को जरूरी बताते हुए उन्होंने युवा इंजीनियरों का आह्वान करते हुए कहा कि आईआईटी बीएचयू इसके लिए चिंतन करें और टेक्नोलॉजी विकसित करें। उन्होंने कहा कि गांव में 400 से 500 गोवंश को एक स्थान पर रखकर उनके गोबर एवं मुत्र से नजदीक के ही गोबर गैस प्लांट से मिथेन एवं उइ2 अलग करके एलपीजी गैस सिलेंडर की भांति रिफिलिंग करके ईंधन का प्रयोग की संभावना तलाशे जाने पर भी विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने गोवंश को लेकर सरकार की आलोचना करने वालों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बगल के प्रदेश में बक्सर है जहां विश्वामित्र के यज्ञ को राक्षस मारीच और सुबाहु इनको पूरा नही होने देते थे ऐसे ही जब कोई अच्छा कार्य हो तो लोग रोकते है।

सीएम योगी आदित्यनाथ बीएचयू में स्मारिका जारी करते हुए

गांधीजी ने 100 साल पहले जताई थी विश्वनाथ मंदिर विस्तार की इच्छा

वाराणसी। बीएचयू स्थापना पर 1916 में गांधी जी विश्वनाथ मंदिर आए थे तो उन्होंने विश्वनाथ मंदिर की गंदगी और सकरी गलियों के सुधार की बात की थी, पर किसी ने ध्यान नही दिया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्वनाथ कॉरिडोर का काम किया जा रहा है। पहले मंदिर जाने का 5 फिट रास्ता था आज 50 फिट का रास्ता है। घरों में छिप चुके 41 मंदिर अब तक सामने आ चुके है, कुछ समय बाद यह काशी को नई पहचान देगी। हम ये दृष्टिकोण को सामने रखे कि 100 वर्ष जो आने वाला है उसमें हम देश को क्या देंगे।

संगम में टेक्नोलाजी से स्वच्छ गंगाजल दिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि गंगा एवं प्रयागराज में इस वक्त जो गंगा जल है वो आजादी के बाद का सबसे स्वच्छ जल है। हमने टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर इसे साफ किया। आज तकनीक महंगी है और इसको कैसे जनसुलभ बनाया जाये यह जरूरी है। उन्होंने भविष्य के प्रति लोगो को सचेत करते हुए कहा कि जल है तो कल है। उत्तर प्रदेश आबादी के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य है। आज हमारे पास पीएम का नेतृत्व है। आज आम जन के जीवन मे परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने कहा कि काशी मे काशी की पहचान बाबा विश्वनाथ के रूप में जाना जाता है।

महामना को 'भारत-रत्न' दिया

महामना मदन मोहन मालवीय ने देश पर बीएचयू देकर उपकार किया और भारत सरकार ने उनको भारत रत्न का सम्मान दिया। जो काम बहुत पहले होना चहिये था। लेकिन किसी की सोच नही थी वर्तमान केंद्र सरकार ने इन दिशा में सोचा और महामना को सम्मान दिया। इससे पूर्व योगी आदित्यनाथ में दीप प्रज्वलित कर आईआईटी बीएचयू के शताब्दी समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने शताब्दी वर्ष 'सोविनियर' का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सूचना राज्य मंत्री डा.नीलकंठ तिवारी, कमिश्नर दीपक अग्रवाल, आईजी विजय सिंह मीणा, जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह सहित आईआईटी बीएचयू के निदेशक आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आईआईटी है प्रदेश सरकार का नालेज पार्टनर

वाराणसी। संस्थान उद्देश्य और प्राथमिकता रिसर्च, इनोवेशन और बेहतर स्टार्टअप के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करना है। उन्होंने प्रदेश के डिफेंस कॉरीडोर में नॉलेज पार्टनर होने, संचार मंत्रालय के साथ एमओयू और अमेजन एशिया समेत कई और संस्थाओं के साथ आईआईटी के समझौतों के बारे में बताया। उन्होंने वास्तु-विद्या विभाग, मालवीय रक्षा अनुसंधान केन्द्र और सेंटेनरी इनोवेशन पार्क के बारे बताते हुए मुख्यमंत्री से स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए नोएडा में भूमि की मांग की। कार्यक्रम के दौरान शताब्दी समारोह से जुड़ी पुस्तिका 'सोवेनियर' (स्मारिका) का मुख्यमंत्री ने विमोचन किया।

पीएम का विजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन हैं कि तब भारत किस रूप में होगा। एक व्यक्ति देश मे कैसे परिवर्तन ला सकता है यह देखे, स्कूल में स्वच्छता की बात बचपन मे बताई जाती थी, लेकिन आज ये भाव परिवार और स्कूलो न भुला दिया। लेकिन देश के प्रधानमंत्री ने इसको जन-जन तक पहुँचाया।

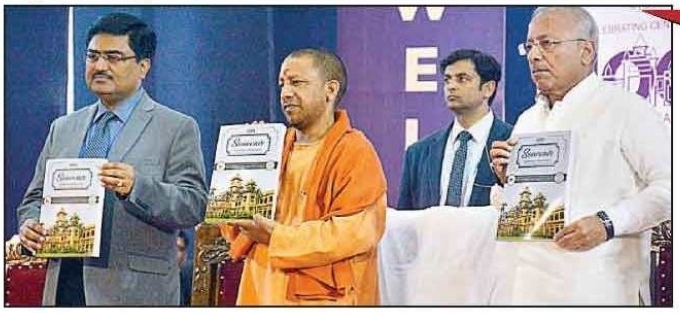

बीएचयू की स्थापना ऐतिहासिक घटनाओं में एक

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं भारत रत्न मोहन मालवीय के जीवन चरित्र का उल्लेख करते हुए कहा कि 1916 में बीएचयू की जब स्थापना हुई, उस समय देश मे स्वाधीनता की लड़ाई चल रही थी। महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई लड़ी जा रहीं थी। उस समय भविष्य का भारत कैसा बनाना है, उसके चिंतन और मनन के लिए मालवीय जी ने हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। बीएचयू के छात्र देश-विदेश में भारत का नाम रोशन कर रहे है। मुख्यमंत्री ने कहां कि 1919 में जब आईटी बीएचयू को स्थापना हुई थी उस वक्त पंजाब में एक घटना घटी थी। उस वक्त देश को गुलाम बनाये रखने की कवायद थी, तो स्वाधीनता के लिए काशी में मंथन चल रहा था। और यही कारण रहा कि भारत बहुत दिनों तक गुलाम नही रह पाया था। मुख्यमंत्री ने कहां कि आजादी के 75 वर्ष 2022 में जब पूरा देश अपना हीरक जयंती मना रहा होगा। तो उसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों के सामने विजन रखी है।

शताब्दी समारोह को संबोधित करते सीएम आदित्यनाथ